श्री राम के चर्चे | by Suren Namdev

मन में हो उलझन आकर सुनादो
हाथ जोड़कर बस ज्योत जगलो
भक्ति से बस काम बने, ना काम बने कोई खर्चे ते
अरे दूर दूर तक सुनलो जी श्री राम के चर्चे हैं
मेरे राम के चर्चे हैं .....

उनके नाम से चले सरकारें
जितने भी चौधरी शीश झुका रे
इनके जैसा मिले कोई ना गूगल पे सर्च ते
अरे दूर दूर तक सुनलो जी श्री राम के चर्चे हैं
मेरे राम के चर्चे हैं .....

जब कोई नहीं सुनता ये कर के दिखाते
मुर्ख है कुछ फिर भी इठलाते
करता फैसला तुरंत ही ये ना छपते पर्चे हैं
अरे दूर दूर तक सुनलो जी श्री राम के चर्चे हैं
मेरे राम के चर्चे हैं .....

इनकी दया शर्मा लिख पाता
कदम कदम मेरा साथ निभाता
बिगड़ी का बस है एक सहारा काम जहाँ बनते हैं
अरे दूर दूर तक सुनलो जी श्री राम के चर्चे हैं
मेरे राम के चर्चे हैं .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a5%82%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a5%82%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a4%95-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9a/